www.avadhkaawaz.com

अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।

वर्ष–9 अंक–249 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ शुक्रवार 8 जनवरी 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया

मोदी ने फ्रेट कोरिडोर के न्यू रेवाड़ी–न्यू मदार खंड का उद्घाटन किया

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को पश्चिमी समर्पित मालवहन गलियारा (वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर) के 306 किमी लंबे न्यू रेवाड़ी–न्यू मदार खंड को राष्ट्र को समर्पित किया। वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से आयोजित एक समारोह में प्रधानमंत्री ने न्यू अटेली से न्यू किशनगढ़ के लिए विश्व के पहले डबल स्टैक लांग हॉल कंटेनर ट्रेन आपरेशंस (1.5 किलोमीटर लंबी कंटेनर ट्रेन) को हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। इस अवसर पर रेल मंत्री पीयूष गोयल, राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र और हरियाणा के राज्यपाल सत्यदेव नारायण आर्य के अलावा दोनों राज्यों के मुख्यमंत्री क्रमशः अशोक गहलोत और मनोहर लाल खट्टर उपस्थित थे। गोयल ने कहा कि लगभग 5,800 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित न्यू रेवाड़ी–न्यू मदार खंड के शुरू हो जाने से हरियाणा के प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल उद्योग, व राजस्थान के खनिज उद्योगों को एक बड़े राष्ट्रीय बाजार के साथ–साथ अंतरराष्ट्रीय बाजार भी उपलब्ध हो जायेगा उन्होंने कहा, "यह गलियारा इन राज्यों से गुजरता हुआ वह धागा है जो इन्हें आपस में बांधते हुए इन क्षेत्रों के समुचित आर्थिक और सामाजिक विकास में योगदान करेगा और भारतीय अर्थव्यवस्था को एक नई गति प्रदान करेगा।" उन्होंने कहा कि आने वाले अगले 100 दिनों में मदार को गुजरात के पालनपुर से जोड़ दिया जाएगा जिससे गुजरात के कांडला, पीपावाव और मुंद्रा बंदरगाह भी समर्पित मालवहन गलियारे के नेटवर्क से जुड़ जाएंगे। उन्होंने कहा, "खनिज हो या खाद्यान्न, उपज हो या उत्पाद, रेल की रफ्तार से सभी क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। उत्पाद को उपभोक्ता और बंदरगाह तक, खनिज को उद्योग तक, फर्टिलाइजर्स को खेत तक पहुंचाने में इस गलियारे का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा। यह एक कॉरीडोर नहीं बल्कि विकास का दरवाजा बनेगा।" न्यू रेवाड़ी–न्यू मदार सेक्शन का हिस्सा हरियाणा और राजस्थान दोनों में आता है। इस मार्ग पर न्यू रेवाड़ी, न्यू अटेली और न्यू फूलेरा जैसे तीन जंक्शन सहित नौ स्टेशनों में न्यू डाबला, न्यू भगेगा, न्यू श्री माधोपुर, न्यू पछार मालिकपुर, न्यू

सकूल और न्यू किशनगढ़ शामिल हैं। इस नए मालवहन गलियारे के खुल जाने से राजस्थान और हरियाणा के रेवाड़ी–मानेसर, नारनौल, फूलेरा और किशनगढ़ में मौजूद विभिन्न औद्योगिक इकाइयों को फायदा पहुंचेगा। इसके अलावा काठूवास स्थित कॉनकोर के कन्टेनर डिपो का भी बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा। इस रेल खंड के शुरू हो जाने से देश का पश्चिमी और पूर्वी मालवहन गलियारा एक दूसरे से जुड़ जाएंगे। प्रधानमंत्री इससे पहले न्यू भाऊपुर और न्यू खुर्जा के बीच पूर्वी समर्पित मालवहन गलियारा राष्ट्र को समर्पित कर चुके हैं।

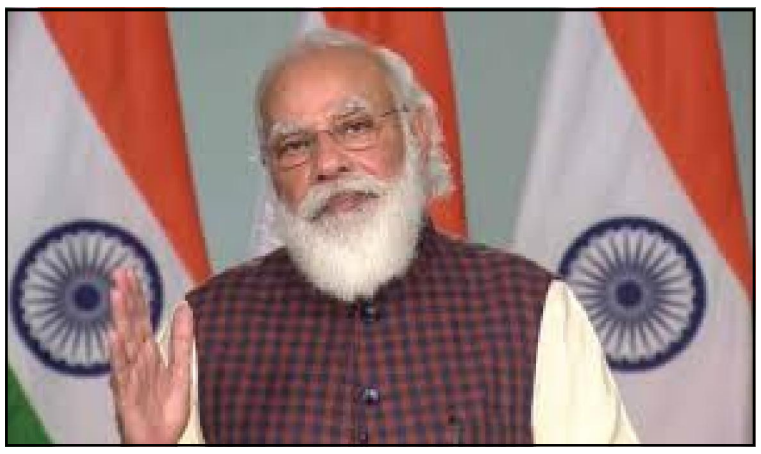

गृह विभाग में हुई कारागार विभाग के कार्यो की उच्च स्तरीय समीक्षा

अवध की आवाज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश के कारावासों की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं चुस्त–दुरूस्त बनाये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जनपदों में निर्माणाधीन कारागारों के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने के साथ–साथ उन्हे प्राथमिकता के आधार पर समय से पूर्ण कराये जाने के भी निर्देश दिये हैं। अपर मुख्य सचिव, गृह श्री अवनीश कुमार अवस्थी की अध्यक्षता में आज गृह विभाग के सभागार में कारागार विभाग के अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय बैठक में कारागार विभाग के कार्यो की विस्तृत एवं गहन समीक्षा की गई। बैठक मे निर्देश दिये गये कि जिन कारागारों का निर्माण कार्य 80 प्रतिशत से अधिक हो चुका है, उन्हें पूर्ण कराते हुये अभियान चला कर टेक ओवर का कार्य आगामी दो माह में अवश्य पूर्ण कर लिया जाये। उल्लेखनीय है कि कारागारों की सुरक्षा–व्यवस्था को और अधिक चुस्त दुरूस्त व सुदृढ़ करने हेतु कारागार विभाग के अन्तर्गत कुल 168 निर्माण कार्य कराये जा रहे हैं। कारागार विभाग की सुरक्षा–व्यवस्था को और अधिक चुस्त दुरुस्त बनाये जाने हेतु प्रदेश की कारागारों में जेल वार्डर के रिक्त पदों के सापेक्ष पी0ए0सी0 के 823 आरक्षियों को 2 वर्ष की प्रतिनियुक्ति पर कारागार विभाग में तत्काल तैनात किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। मैरिट बेस ऑनलाइन स्थानान्तरण सिस्टम प्रणाली के तहत किये जाने वाली कार्यवाही को भी 15 दिन में पूर्ण किये जाने के निर्देश बैठक में दिये गये हैं। नवनिर्मित कारागारों के लिए जरूरी पदों के

सृजन की कार्यवाही को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में जानकारी दी गयी कि भारत सरकार द्वारा प्रदेश की कारागारों में बॉडी वार्म कैमरे लगाये जाने हेतु 80 लाख रूपये की धनराशि दी गयी है, जिसका शत–प्रतिशत समय से उपयोग किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में कारागारों के उच्चीकरण व नवीनीकरण, जलापूर्ति की बेहतर व्यवस्था तथा स्वच्छता सुनिश्चित करने संबंधी जरूरी बिन्दुओ पर गहन चर्चा की गयी। पाकशालाओं का आधुनिकीकरण कराने के लिए उपकरणों की खरीद हेतु भी विचार विमर्श कर जरूरी कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं।

संजय गांधी स्नातकोत्तर आर्युविज्ञान संस्थान में ओ0 पी0 डी0 सेवाओ की व्यवस्था में हुए कुछ परिवर्तन

अवध की आवाज

लखनऊ। सप्ताह में सोमवार से शुक्रवार ओपीडी प्रातः 9.30 से अपराह्न 4रू00 बजे तक और शनिवार को प्रातरू 9.30 बजे से दोपहर 12रू00 बजे तक चलेगी। ओ0पी0 डी0 में 20 नये रोगी और 40 पुराने रोगी देखे जायेंगे। ओपीडी में रोगियों को कोविड की ट्रूनैट रिपोर्ट के साथ भी देखा जाएगा। कोविड जांच के लिए ट्रूनैट और तज–चबत का टेस्ट अपराहन 1रू00 बजे तक ही किया जाएगा। जो रोगी और उनके सहायक बिना त्तनदंजध् त्ज्च्ब्त जांच के ओ0 पी0 डी0 पहुंच गए हैं, वे जन संपर्क पटल ६ स्क्रीनिंग काउंटर 2 पर जाकर टेस्ट करा सकते हैं। जांच रिपोर्ट आ जाने पर उन्हें 1रू00 बजे से 4रू00 बजे तक ओपीडी में देखा सकता है।

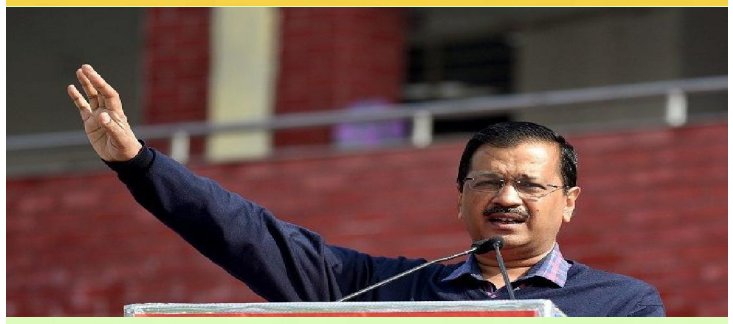

केजरीवाल की केंद्र सरकार से अपील, ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर 31 जनवरी तक जारी रहे प्रतिबंध

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार से अपील की कि ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर 31 जनवरी तक के लिए पाबंदी लगाई जाए। दरअसल, कोरोना वायरस संक्रमण के नए स्ट्रेन की वजह से सब घबराए हुए हैं। एक अधिकारी ने जानकारी दी कि राजधानी में घर–घर जाकर जांच करने के दौरान हाल ही में ब्रिटेन से लौटे तथा उनके संपर्क में आए दो और लोगों में कोरोना का नया स्ट्रेन पाया गया है। ऐसे में प्रदेश में संक्रमित मरीजों की कुल संख्या बढ़ कर नौ हो गई है। इसी बीच, मुख्यमंत्री केजरीवाल ने ट्वीट कर केंद्र सरकार से उड़ानों पर 31 जनवरी तक के लिए पाबंदी लगाए जाने की अपील की। केजरीवाल ने ट्वीट किया कि केंद्र सरकार ने ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों से प्रतिबंध हटाकर उन्हें फिर से शुरू करने का फैसला किया है। ब्रिटेन में कोविड की स्थिति गंभीर हो रही है। मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि ब्रिटेन से आने वाली उड़ानों पर 31 जनवरी तक प्रतिबंध लगाया जाए।

लखनऊ में बढ़ते अपराधों पर यूपी डीजीपी ने दिखाई नाराजगी, अफसरों संग दो घंटे चली समीक्षा बैठक

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पिछले दो दिनों में हुई दो गैंगवार और लगातार बढ़ते अपराधों पर प्रदेश के डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी ने नाराजगी दिखाई है। उन्होंने गुरुवार को लखनऊ में अफसरों के साथ समीक्षा बैठक की और विभूतिखंड के अजीत सिंह हत्याकांड में जल्द से जल्द अपराधियों को पकड़ने का निर्देश दिया। बैठक में लखनऊ पुलिस कमिश्नर के साथ, ज्वाइंट सीपी क्राइम नीलाब्जा चौधरी, ज्वाइंट सीपी लॉ एंड ऑर्डर नवीन अरोड़ा भी शामिल हुए। बैठक में ठाकुरगंज में प्रॉपर्टी डीलर की हत्या, विभूति खंड में रिटायर्ड अधिकारी के घर डकैती, विकास नगर में बद्री सर्राफ के मालिक पर फायरिंग की घटनाओं पर डीजीपी ने अफसरों से जवाब–तलब किया। उन्होंने कानून–व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त करने के साथ ही लापरवाह पुलिसकर्मियों को हटाने के आदेश दिए।

प्राधिकरण द्वारा अवैध निर्माणों को सील किया गया

अवध की आवाज ब्यूरो

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अभिषेक प्रकाश द्वारा लखनऊ शहर में किये गये अवैध निर्माणों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु दिये गये निर्देशों के क्रम में गुरुवार को निम्नानुसार कार्यवाही की गई। आशू सिंह व अन्य, ए.के. कन्स्ट्रक्शन द्वारा निकट शुक्ला चौराहा, नहर रोड जानकीपुरम, लखनऊ में अवैध रूप से रो–हाउसिंग का निर्माण किया जा रहा था। उक्त अवैध निर्माण को पूर्व में भी सील किया गया था, परन्तु सील तोड़कर निर्माण कार्य किये जाने पर अधिशासी अभियन्ता (प्रवर्तन), जोन–5 के.के बंसला के नेतृत्व में क्षेत्रीय अभियन्ता, प्राधिकरण पुलिस व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता पुनः सील किया गया। आफताब सईद खां व फखरूद्दीन दाऊद द्वारा 172/167, पत्थर वाली गली, नई बस्ती, मशकगंज, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अनाधिकृत रूप से लगभग 1400 वर्गफुट क्षेत्रफल में अवैध निर्माण किये जाने पर विहित प्राधिकारी श्रीमती ऋतु सुहास द्वारा दिनांक 06.01.2021 को सील किये जाने के आदेश दिये गये थे। उक्त के क्रम में अधिशासी अभियन्ता–प्रवर्तन, कमलजीत सिंह के नेतृत्व में क्षेत्रीय अभियन्ता, प्राधिकरण पुलिस व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता सील किया गया। पंकज जायसवाल द्वारा भूखण्ड संख्या 4 15 व 4 16, सेक्टर–4, गोमतीनगर विस्तार, लखनऊ पर बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अनाधिकृत रूप से अवैध निर्माण किये जाने पर विहित प्राधिकारी ऋतु सुहास द्वारा दिनांक 04.01.2021 को सील किये जाने के आदेश दिये गये थे। उक्त के क्रम में अधिशासी अभियन्ता–प्रवर्तन, जोन–1 अवनीन्द्र सिंह के नेतृत्व में क्षेत्रीय अभियन्ता, प्राधिकरण पुलिस व क्षेत्रीय पुलिस बल की सहायता सील किया गया।

स्टाफ नर्स वंदना के प्रयासों से गर्भवती ने दिया तीन बेटियों को जन्म

सीएचसी इमलिया सुल्तानपुर में लिखी गई सुरक्षित प्रसव की इबारत

अवध की आवाज ब्यूरो

सीतापुर। यह खबर उन लोगों के लिए आईना है, जो स्वास्थ्य विभाग पर आरोप लगाते हुए यह कहते नहीं थकते हैं कि ग्रामीण अंचलों की स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल हो चुकी हैं, सीएचसी और पीएचसी पर कोई काम नहीं होता है। जिले के इमलिया सुल्तानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर गुरुवार की सुबह एक स्टाफ नर्स ने अपने कौशल से बिना किसी विशेषज्ञ की मदद के एक गर्भवती के गर्भ में पल रहीं तीन बेटियों का सुरक्षित प्रसव कराकर एक इतिहास लिखा है।

जिले के इमलिया सुल्तानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर गुरुवार की सुबह प्रसव पीड़ा से परेशान वेलगवां गांव की मोहिनी पत्नी सुरेंद्र कुमार को भर्ती कराया गया। मोहिनी को लेकर क्षेत्रीय आशा गर्गा देवी सीएचसी पर लेकर आईं थीं। इस स्वास्थ्य केंद्र पर कोई महिला चिकित्सक न होने के बावजूद भी गर्भवती को तुरंत ही प्रसव के लिए भर्ती किया गया। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात स्टाफ नर्स वंदना अवस्थी ने प्रसव कराने की जिम्मेदारी उठाई। बात यहीं पर आकर खत्म नहीं हो जाती स्टाफ नर्स वंदना अवस्थी ने बिना किसी विशेषज्ञ की मदद के ही मोहिनी के गर्भ में पल रहे तीनों बच्चों का सुरक्षित प्रसव कराने में सफलता हासिल की। महज दो मिनट के अंदर तीन बच्चों का सफल प्रसव कराने पर सीएचसी अधीक्षक डॉ. कुमार गौरव सहित समस्त स्टाफ ने स्टाफ नर्स वंदना की प्रशंसा की है। स्टाफ नर्स वंदना ने बताया कि माहिनी का पति खेतिहर मजदूर है और उसके एक बेटी पहले से ही है। इस प्रसव के दौरान मोहिनी ने तीन बेटियों को जन्म दिया है। प्रसव के दौरान एएनएम रमा देवी ने स्टाफ नर्स के सहयोगी की भूमिका निभाई। स्टाफ नर्स वंदना ने बताया कि तीनों बेटियों का वजन कम है, इसके बावजूद भी सुरक्षित प्रसव कराया

गया है। उन्होंने बताया कि नवजातों में से पहली का वजन 900 ग्राम और दूसरी व तीसरी का वजन 500–500 ग्राम है। बेटियों के कम वजन को देखते हुए उन्हें जिला महिला चिकित्सालय से न्यू बार्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) में भर्ती कराया गया है, जहां पर उनकी सेहत ठीक है। इसके अलावा जच्चा मोहिनी को जिला महिला चिकित्सालय रेफर किया गया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ. कुमार गौरव का कहना है कि स्टाफ नर्स वंदना अवस्थी पिछले सात सालों से इस सीएचसी पर तैनात हैं। उनके इस सराहनीय कार्य के लिए हम सब उन्हें बधाई देते हैं। इस समय जबकि पूरे प्रदेश में बेटियों की सुरक्षा और सम्मान के लिए मिशन शक्ति चलाया जा रहा है, ऐसे में एक स्टाफ नर्स ने तीन बेटियों का सुरक्षित प्रसव कराकर सराहनीय कार्य किया है। यह प्रसव सुरक्षित और संस्थागत प्रसव की परिकल्पना में मील का पत्थर साबित होंगे।

दोहरे हत्याकांड में एडीओ पंचायत समेत चार निलंबित

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर जिले के राजे सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के मल्लूपुर मजगामा गांव में दो दिन पहले सरेराह हुई सगे भाइयों की हत्या में लापरवाही पाए जाने पर तत्कालीन एडीओ पंचायत व दो सेक्रेटरी समेत एक लेखपाल को निलंबित कर दिया गया है। गौरतलब है कि गत दिवस बल्लूपुर मजगामा निवासी अनिल मिश्र व उनके सगे बड़े भाई सुरेंद्र मिश्र की दिनदहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। घटना पंचायत चुनाव की रंजिश के कारण हुई थी। हत्याकांड का आरोपी अमित सिंह जहांगीरगंज ब्लॉक के बनकटा बुजुर्ग का निवासी था। उसने एक अस्थायी निर्माण के आधार पर खुद को मल्लूपुर मजगंवा के निवासी के तौर पर परिवार रजिस्टर में नाम दर्ज करा लिया था। इसी आधार पर अब वह मल्लूपुर की मतदाता सूची में नाम जुड़वाना चाह रहा था। अनिल और उनके परिजन इसका विरोध कर रहे थे। इसी को लेकर अनिल और सुरेंद्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई।

मोबाइल व चेन लूटने वाले तीन शातिर लुटेरों को पुलिस ने दबोचा

लूट के मोबाइलों व चेन सहित गिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। पुलिस अधीक्षक उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं अपर पुलिस अधीक्षक उन्नाव व क्षेत्राधिकारी नगर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों पर नियन्त्रण हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना कोतवाली सदर पुलिस एवं स्वाट/सर्विलांस टीम द्वारा चेन व मोबाइल लूटने वाले तीन शातिर लुटेरों को 10 लूटे हुए मोबाइल, एक टूटी चौन (पीली धातू), घटना में प्रयुक्त की जाने वाली दो मोटरसाइकिल व एक तमंचा मय दो कारतूस 12 बोर बरामद कर गिरफ्तार किया गया।

अवैध शराब व शराब बनाने के उपकरणों के साथ एक गिरफ्तार, दो कुंतल लहन नष्ट

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना मांखी, जनपद उन्नाव पुलिस अधीक्षक महोदय व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी सफीपुर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण में अवैध शराब के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना मांखी पुलिस द्वारा एक अभियुक्ता को 20 ली0 अवैध कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण बरामद कर गिरफ्तार किया गया तथा 02 कुन्तल लहन नष्ट किया गया।

छेड़खानी व मारपीट के वांछित दो अभियुक्तगिरफ्तार

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। थाना बिहार, जनपद उन्नाव। में पुलिस अधीक्षक व अपर पुलिस अधीक्षक महोदय उन्नाव के कुशल निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी बीघापुर महोदय के कुशल पर्यवेक्षण में महिला संबन्धी अपराधों की रोकथाम एवं संबन्धित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के तहत थाना बिहार पुलिस द्वारा छेड़खानी व मारपीट में वांछित दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया।

किसानों ने अपनी मांगों को लेकर उपजिलाधिकारी को सौप ज्ञापन

अवध की आवाज

निघासन खीरी। केंद्र द्वारा लागू कृषि कानून के विरोध व दिल्ली में चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में क्षेत्र के किसान संगठनों का अनेक प्रकार से प्रदर्शन भी जारी है। गुरुवार को किसान के एक संगठन ने सैकड़ों ट्रैक्टरों के साथ हजारों किसानों ने तिकुनियां से निघासन तक अनेक प्रकार से किसान के समर्थन में नारे लगाते हुए रैली निकाली और उपजिलाधिकारी को ज्ञापन दिया।किसानों द्वारा शांति पूर्ण ढंग से कृषि बिल के विरोध में निकाली गई रैली से रोड पर व निघासन तहसील परिसर में गहमागहमी का माहौल बना रहा। रैली का नेतृत्व कर रहे किसानों ने कहा कि वर्तमान सरकार ने किसानों की आय दोगुनी करने, कृषि लागत से 50 फीसदी अधिक पर एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन किसानों को लाभकारी मूल्य देना तो दूर सरकार ने तीन नए कानूनों को बना कर खेती व खेत को पूंजीवादी कम्पनियों के हवाले कर दिया है। उपजिलाधिकारी ओम प्रकाश गुप्ता को दिए गए ज्ञापन में किसानों ने तीनों कृषि कानूनों को रद करने की मांग की। किसानों द्वारा कृषि कानून विरोध रैली में क्षेत्र के हजारों किसान मौजूद रहे।

खुली खेल कूद प्रतियोगिता आयोजन में विकास खंड स्तर पर अव्वल रहा पूरे सिधारी

अवध की आवाज सुरेश कुमार तिवारी

कहोबा चौराहा गोंडा। मुजेहना विकास खण्ड अंतर्गत भइया हरिभान दत्त इंटर कॉलेज धानेपुर में बृहस्पतिवार को युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल विभाग द्वारा आयोजित खंड स्तरीय ग्रामीण खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका शुभारंभ क्षेत्रीय विधायक विनय कुमार द्विवेदी उर्फ मुन्ना भइया ने फीता काट कर किया। उपरोक्त प्रतियोगिता में 100,200,500,1500 मीटर दौड़,लंबी कूद, कबड्डी, वालीवाला, गोला फेक आदि खेल कूद सामिल थे। जो प्रान्तीय रक्षक दल के ब्लॉक कमांडर निरंकार पाण्डेय की देख रेख में सम्पन्न हुआ।उपरोक्त प्रतियोगिता में बब्बू दुर्जनपुर ने 100 मीटर दौड़ में प्रथम स्थान हासिल किया। जिन्हें विधायक मुन्ना भइया ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया,वही कब्बड्डी प्रतियोगिता में सिंहपुर ने प्रथम स्थान पर बाजी मारी जबकि दूसरे स्थान पर पण्डितपुरवा की

टीम और शाम को खेले गए वालीवाल में माफीपुरवा पूरेसिधारी की टीम विजेता रही। इस दौरान बबलू पांडे,रमेश पाण्डेय, धर्म प्रकाश शुक्ला का विशेष योगदान रहा। इसी क्रम में दीपक यादव, इंद्र कांत शुक्ला, राम नरेश गुप्ता ,संदीप शुक्ला, पुषेंद्र वर्मा ,हरी प्रसाद वर्मा, आशुतोष पांडे सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन के जिला अध्यक्ष अनूप सिंह के आवास पर किया गया आवश्यक बैठक

अवध की आवाज सुरेश कुमार तिवारी

कहोबा चौराहा गोंडा बुधवार को विशिष्ट बीटीसी शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन गोण्डा के जिला अध्यक्ष अनूप सिंह के आवास पर एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। जिसमें प्रदेश नेतृत्व द्वारा श्री आजाद बेग जी को पुनः मण्डल अध्यक्ष बनाये जाने पर जनपदीय संघटन के पदाधिकारियों द्वारा मण्डल अध्यक्ष का माल्यार्पण एव स्वागत किया गया। इस अवसर है जिला अध्यक्ष अनूप सिंह ने कहा कि अंतर्जनपदीय तबादला का लाभ पाने शिक्षकों को तत्काल कार्यमुक्त होने का आदेश जारी होने चाहिए और पारस्परिक स्थानान्तरण का आदेश जारी करने की मांग की। जिला मीडिया प्रभारी श्री राम प्रकाश मिश्र जी ने नव नियुक्त शिक्षकों का विद्यालय आवंटन का मुद्दा उठाया और कहा की एक माह से यह शिक्षक जिला बेसिक शिक्षाअधिकारी कार्यालय में उपस्थित दे रहे हैं। जब इन्हें विद्यालय में होना चाहिए मण्डल अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संघटन के प्रदेश नेतृत्व ने जो विश्वास व्यक्त किया है। उस पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा साथ उन्होंने माँग किया कि सहायक बेसिक शिक्षा निदेशक का कार्यालय मण्डल मुख्यालय पर होना चाहिएं। यह

कार्यालय15 किलोमीटर दूर होने से शिक्षकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इस अवसर पर मण्डल महामंत्री संजीव मिश्र जिला महामंत्री देवेंद्र कुमार जी जिला मंत्री रंजीत गौतम जिला मंत्री शान मोहम्मद जिला मंत्री सतीश पाण्डेय आशुतोष शर्मा जितेन्द्र वर्मा आदि शिक्षक नेता उपस्थित रहे।

लोक निर्माण विभाग, उत्तर प्रदेश

समीक्षा बैठक में लिए गए अहम निर्णय (05/01/2021)

- 15 जनवरी 2021 से 15 फरवरी 2021 तक एक माह का विशेष अभियान चलाकर सभी मार्गों के निर्माण कार्य को तेजी के साथ कराया जाये।
- इस विशेष अभियान के अंतर्गत सभी सम्बन्धित अधिकारी फील्ड पर लगातार भ्रमण कर कार्यों का निरीक्षण करें और कार्यों में गति लायें।
- निर्माणाधीन कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करें और नये कार्यों की कार्य-योजना बनाकर पूर्ण करना सुनिश्चित करें।
- निर्माणाधीन कार्यों में विलम्ब होने पर सम्बन्धित अधिकारी/कर्मचारी की जवाबदेही तय होगी।

जनहित में जारी

keshavprasadmaurya.com official_kpmaurya kpmaurya1bjp kpmaurya1 KPM APP KeshavPrasadMaurya1

प्रहलाद गौतम बनाए गए प्रदेश प्रमुख सलाहकार

अवध की आवाज राज इटौंजा

लखनऊ। सोशल मीडिया प्रमोटर प्रहलाद गौतम को उत्तरप्रदेश संयुक्त मीडिया क्लब का प्रदेश प्रमुख सलाहकार बनाया गया। संयुक्त मीडिया क्लब के केंद्रीय अध्यक्ष राम नरेश यादव के संस्तुति पर प्रदेश अध्यक्ष मदन यादव ने आज प्रहलाद गौतम को मनोनयन पत्र प्रदान किया। इस मौके पर प्रहलाद गौतम ने कहा कि वे संगठन को और मजबूत बनाने के लिए समय समय पर उचित सलाह देते रहेंगे और संगठन हित मे कार्य करेंगे। प्रहलाद गौतम उत्तर प्रदेश के 450 पत्रकारो के दो मीडिया समूह के एडमिन भी हैं एवं उत्तर प्रदेश के लगभग समस्त जिले के कई चौनल, अखबार एवं पोर्टेल पत्रकार सम्पर्क मे रहते हैं जो कि लेटेस्ट समाचार समूह में प्रेषित करते रहते हैं। इस मौके पर

प्रदेश कार्यकारिणी के राकेश कुशवाहा राजेश कुशवाहा पवन मोहम्मद शाहिद सुंदर सिंह विनोद सोनी भी मौजूद रहे इन सबको भी मनोनयन पत्र प्रदान किया गया।

आवारा जानवरो के झुंडों से बर्वाद हो रही फसलें : किसान

अवध की आवाज ब्यूरो

टोडरपुर हरदोई। सैकड़ो की संख्या में आवारा पशुओं के झुंडों से किसानों की फसलें हो रही बर्बाद। जिसमें जलालपुर ,कुइया ,नेवादा आदि समस्त गांवों में किसान रात रात जाग कर अपनी गेंहू ,गन्ना सरसो आदि

फसलों की कर रहे निगरानी। जिसके बाद भी जरा सी चूक होने पर आवारा पशुओं के झुंड किसानो की मेहनत पर पानी फेर देते है। पीड़ित किसानो का कहना है कि नजदीकी गौशाला सुंदरपुर उमरोली में संख्या से कम पशुओं को रखा गया। जब कि भारी मात्रा में जानवर उनके खेतों में उत्पात मचा रहे है । इसीलिए भारतीय किसान यूनियन अवध के ब्लाक अध्यक्ष अमिताभ सिंह ,सुनिल तिवारी ,मनीष सिंह ,पंकज ,रामप्रकाश मौर्य कुलदीप सिंह आदि ने बताया कि कई बार खंड विकास अधिकारी को इस समस्या से अवगत कराया जा चुका है जिसके बाद भी समस्या का कोई समाधान नही हो पाया है। जिससे चलते ग्रामीण किसानो में काफी आक्रोश व्याप्त है सभी का कहना है कि अगर समस्या का समाधान न हुआ तो हजारों की संख्या में किसान जिला मुख्यालय पहुँच जिलाधिकारी हरदोई को समस्या से अवगत कराते हुए विरोध प्रदर्शन करेंगे...।

पूर्व ब्लॉक प्रमुख की हत्या के बाद खून लगी बाइकें कमता बस अड्डे पर छोड़कर भागे थे बदमाश

लखनऊ। बाहुबली मुख्तार के करीबी व पूर्व ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह की हत्या करने वाले शूटरों के रोडवेज बस से राजधानी से बाहर भागने की आशंका जताई जा रही है। हत्याकांड की छानबीन में जुटी पुलिस को गुरुवार दोपहर कमता बस अड्डे पर दो बाइक लावारिस खड़ी मिलीं जिन पर खून लगा हुआ था। बाइक में चाबी भी लगी हुई थी। पुलिस इन्हीं बाइक से हत्यारों तक पहुंचने का सुराग ढूंढ रही है।

एडीसीपी समेत तमाम अधिकारी और क्राइम ब्रांच कमता बस अड्डे पहुंची और वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इस बीच वारदात के वक्त अजीत के साथ मौजूद मोहर सिंह की तरफ से गैंगस्टर ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू , अखंड प्रताप सिंह और वाराणसी के कन्हैया विश्वकर्मा उर्फ गिरधारी उर्फ डॉक्टर पर विभूतिखण्ड थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

पुलिस का मानना है कि अजीत की हत्या पूर्व विधायक सर्वेश सिंह की हत्या के मामले में गवाही से रोकने के लिए हुई है। इस मामले में अगले हफ्ते अजीत सिंह की गवाही होनी थी। अजीत को गवाही न देने के लिए धमकाया भी जा रहा था। कुंटू सिंह और अखंड प्रताप सिंह पूर्व विधायक हत्याकांड में जेल में बंद है। पुलिस की एक टीम वहां भेजी गई है। बता दें कि लखनऊ के विभूतिखंड स्थित कठौता पुलिस चौकी के सामने बुधवार रात गैंगवार में मऊ के मोहम्मदाबाद गोहना के पूर्व ब्लॉक प्रमुख अजीत सिंह की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जिसकी जांच पुलिस टीम कर रही है। गुरुवार को पुलिस को कमता बस अड्डे पर दो लावारिस बाइकें बरामद हुईं। संभावना जताई जा रही है कि ये बाइकें उन्हीं हत्यारों की हैं।

हमला करने पैदल आए थे बदमाश

स्थानीय लोगों के मुताबिक, अजीत पर हमला करने आए बदमाश पैदल थे। उन्हें चौराहे के बारे में पूरी जानकारी थी और बाइक कुछ दूर खड़ी की थी। अजीत के गाड़ी से उतरते ही गोलियां बरसाने के बाद बदमाशों ने पैदल ही भाग निकले। इस दौरान गोलियां चलाते रहें और बाइक के पास पहुंचकर आराम से भाग निकले। बदमाशों ने पूरी वारदात महज तीन मिनट में अंजाम दी। पुलिस ने गैंगवार में कुल 35 राउंड गोलियां चलने की पुष्टि की। पुलिस के मुताबिक, अजीत को आठ से दस और मोहर को तीन गोलियां लगने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक, वारदात में बदमाशों ने नौ एमएम पिस्तौल

का इस्तेमाल किया है। वारदात स्थल पर जांच करने पहुंची पुलिस टीम ने अजीत की गाड़ी की भी जांच की। इस दौरान गाड़ी के लॉक तोड़े गए तो अंदर से अजीत की दो लोडेड पिस्तौलें मिलीं। दोनों से गोली चलने की भी पुष्टि हुई है। गाड़ी के अंदर भी खून के निशान मिले। एक बदमाश के घायल होने की पुष्टि भी पुलिस कर रही है। पुलिस घायल बदमाश को सरगर्मी से तलाश रही है।

गोरखपुर महोत्सव में दो दिन सजेगी मनोरंजन की महफिल, खास आयोजनों का लुत्फ उठा सकेंगे शहरवासी

गोरखपुर। गोरखपुर महोत्सव की तैयारियां तकरीबन पूरी हो चुकी हैं। इस बार दो ही दिन का महोत्सव होगा, मगर दोनों ही दिन बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को अलग–अलग समय पर मनोरंजन का फुल डोज मिलेगा। 12 और 13 जनवरी को होने वाले महोत्सव के कार्यक्रमों की जानकारी को साझा करते हुए कमिश्नर जयंत नार्लिकर, डीएम के. विजयेंद्र पांडियन और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गौरव सिंह सोगरवाल ने बताया कि 12 जनवरी की दोपहर दो बजे पर्यटन मंत्री नीलकंठ तिवारी महोत्सव का शुभारंभ करेंगे। हालांकि कार्यक्रमों की शुरुआत सुबह से हो जाएगी। वहीं, समापन मौके पर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मौजूद रहेंगे। कमिश्नर ने बताया कि दो दिनों तक चलने वाले महोत्सव में परंपरागत और रोमांचक खेलों के साथ ही लोक कला, विज्ञान, पुस्तक एवं कृषि मेलों के साथ ही गोरखपुर के विकास और हाल ही में ओडीओपी में शामिल रेडीमेट गारमेंट को बढ़ावा देने के लिए सेमिनार का आयोजन

होगा। गो संरक्षण पर भी चर्चा होगी।यह पहला मौका है जब महोत्सव तीन दिन की बजाय दो दिन का हो रहा है। वहीं, मुख्य कार्यक्रम गोरखपुर यूनिवर्सिटी की जगह रामगढ़ताल परियोजना क्षेत्र स्थित चंपा देवी पार्क, महंत दिग्विजयनाथ पार्क आदि में होगा। सेमिनार का आयोजन एनेक्सी भवन सभागार में किया गया है।

मेरठ में आठ साल के बच्चे का अपहरण, सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई पूरी घटना, आरोपियों की तलाश में दबिश

मेरठ। उत्तर प्रदेश में मेरठ जनपद के खरखौदा में गुरुवार को एक आठ वर्षीय बच्चे का अपरहण हो गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस ने इस मामले में जांच शुरू कर दी है। खरखौदा क्षेत्र के जाहिदपुर में गुरुवार को एक आठ वर्षीय बच्चा अचानक लापता हो गया। बच्चे के लापता होने की सूचना पर थाना इंस्पेक्टर मौके पर पहुंचे। वहीं पीड़ित के मकान के पास दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी घटना कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में बच्चे को ले जाते हुए आरोपी कैद हो गए हैं। अभी आरोपी लापता हैं। पुलिस उन्हें तलाशने में जुटी है। उधर, पीड़ित पक्ष ने इस मामले में थाने में तहरीर दी है। मूल रूप से गांव पापड़ा निवासी सोनिया पत्नी रोहित ने बताया कि वह एक महीने पहले ही जाहिदपुर में आकर किराए का मकान लेकर

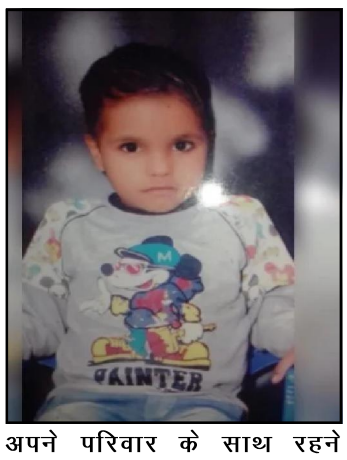

अपने परिवार के साथ रहने लगी। बुधवार शाम के समय उसका आठ वर्षीय बेटा प्रियांशु घर के बाहर खेल रहा था। इसी दौरान वह अचानक लापता हो गया। परिजनों ने बच्चे को खूब तलाश किया, लेकिन उसका पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजनों ने एक दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में देखा तो पड़ोस में ही रहने वाला सोनू व उसका साथी बच्चे को ले जाता दिखा। सोनिया ने बच्चे की हत्या की आशंका जताते हुए थाने पर तहरीर दी है। वहीं सीओ कठोर बृजेश कुमार व इंस्पेक्टर खरखौदा ऋषि पाल शर्मा दोनों मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। उधर दोनों आरोपी घर से फरार हैं। पुलिस ने कई जगह दबिश दी, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी।

प्रतापगढ़ में दिनदहाड़े दुकान में घुसा लुटेरा, डेढ़ किलो सोने चांदी के आभूषण लूटकर फरार

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में गुरुवार को अज्ञात नकाबपोश बाइक सवार ने दिनदहाड़े लूट की घटना को अंजाम दे डाला। बदमाश ने नगर कोतवाली इलाके में शिवा ज्वेलर्स की दुकान में घुसकर लूट की घटना को अंजाम दिया। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि बदाश तमंचे की नोक पर दुकान में घुसकर लगभग डेढ़ किलो सोने–चांदी के आभूषण लूट ले गया। बताया गया कि लुटेरा लगभग 90 लाख की लूट को अंजाम देकर फरार हो गया।

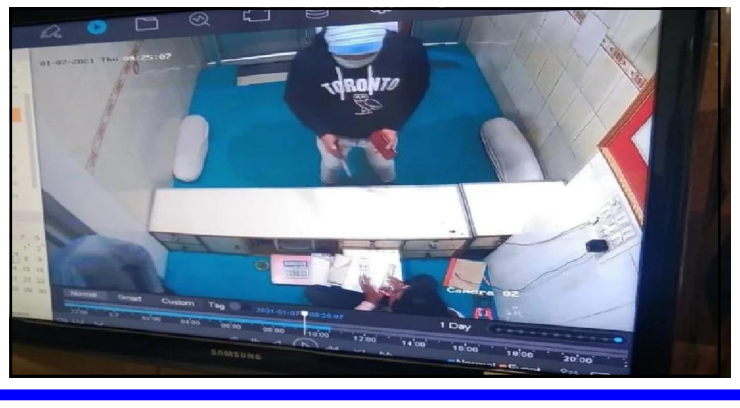

सम्पादकीय

प्रबंधन शिक्षा का महत्त्व

देश में प्रबंधन शिक्षा को गति देने के लिए ओडिशा के प्रबंधन संस्थान आईआईएम संबलपुर को प्रधानमंत्री ने स्थायी कैंपस का तोहफा दिया है। पीएम ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए इस डिजिटल कैंपस की आधारशिला रखी। पीएम ने कहा कि देश के अलग–अलग स्थानों से नए क्षेत्रों में नए तरह के अनुभव लेकर निकल रहे मैनेजमेंट एक्सपर्ट भारत को नई ऊंचाई पर ले जाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। आज के दौर में प्रबंधन शिक्षा का बहुत अधिक महत्त्व है। प्रबंधन के बिना उत्पादन के साधन केवल साधन ही रह जाते हैं। प्रबंधन निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु उत्पादन के विभिन्न साधनों में प्रभावपूर्ण समन्वय स्थापित कर न्यूनतम प्रयासों से अधिकतम परिणामों की प्राप्ति संभव बनाता है।

प्रबंधन संस्था के उपलब्ध साधनों में उपयुक्त समन्वय स्थापित कर मनुष्यों का विकास करता है। अच्छे एवं कुशल प्रबंधन में दूरदर्शिता, योजनाओं के निर्माण की क्षमता, क्रियाओं के निर्धारण की क्षमता, देश की आर्थिक स्थिति का सही मूल्यांकन करने की क्षमता, ग्राहकों की रुचि का अध्ययन करने की क्षमता आदि होती है, जो कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करने के लिए महत्त्वपूर्ण है। प्रबंधन द्वारा प्रारंभ में आधारभूत नीतियों का निर्माण किया जाता है और बाद में जरूरत के अनुसार विभिन्न नीतियों का निर्धारण किया जाता है। प्रबंधक समाज को स्थिरता प्रदान करने वाला तथा परंपराओं का संरक्षक है। व्यक्तियों के विकास में प्रबंधन का अत्यंत महत्त्व है। प्रबंधन की समस्त क्रियाएं मानवीय विकास से संबंधित होती हैं।

यह व्यक्तियों की कार्यकुशलता में वृद्धि करता है और उनका सर्वांगीण विकास करता है। प्रबंधक प्रत्येक व्यवसाय का गतिशील एवं जीवनदायक तत्त्व होता है। उसके नेतृत्व के अभाव में उत्पादन के साधन केवल साधन–मात्र ही रह जाते हैं, कभी उत्पाद नहीं बन पाते हैं। प्रबंधन की आवश्यकता केवल व्यावसायिक क्षेत्रों में ही नहीं, अपितु गैर–व्यावसायिक क्षेत्र जैसे स्कूल, कॉलेज, धार्मिक एवं राजनीतिक संस्थाओं, सामाजिक कार्यों, यहां तक कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में जैसे घर, खेल का मैदान आदि में भी रहती है। देश की समृद्धि में भी प्रबंधन का काफी महत्त्व रहता है। कुशल प्रबंधक जब न्यूनतम लागत पर अधिकतम उत्पादन संभव बनाते हैं, श्रम समस्याओं को सुलझाते हैं, समाज के विभिन्न अंगों के प्रति अपने उत्तरदायित्व को भली–भांति निभाते हैं, जिससे राष्ट्र समृद्धि की ओर बढ़ता है। मैनेजमेंट का मतलब केवल काम लेना या काम करने की योजना भर बनाना नहीं, बल्कि इसे कला व विज्ञान दोनों कहा जाता है। मैनेजमेंट का मतलब लोगों को और अधिक कार्यशील बनाना है, यह कला हो गई और इसे कैसे कर सकते हैं, यह विज्ञान हो गया। यहां सबसे बड़ा प्रश्न यह उठता है कि किसी भी कंपनी या उद्योग में आखिर मैनेजमेंट करने वाले मैनेजर की जरूरत ही क्यों पड़ती है? इसका सबसे अच्छा उदाहरण है कि किसी भी कंपनी में चार कर्मी मिलकर आठ घंटे की एक शिफ्ट में प्रतिदिन 6 इकाइयां बनाते थे। अब अगर वहां कंपनी ने मैनेजर रखा और उत्पादन वही है, तब मैनेजर की जरूरत ही नहीं। 6 की जगह 8 इकाइयां बनती हैं, तब मैनेजर वहां काम कर रहा है, यह सिद्ध होता है। यह बात केवल उद्योग पर लागू नहीं होती, बल्कि सेवा–क्षेत्र, रिटेल व अन्य क्षेत्रों में भी मैनेजमेंट की यही बात लागू होती है। जिस तरह से आजादी के बाद हरित क्रांति के कारण कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आया, उसी तरह से औद्योगिक क्रांति के कारण भारत ने अपना परचम विश्व में लहराया है।

भारतीय उद्योग जगत ने पश्चिम को बताया है कि प्रबंधकीय विशेषज्ञता में वह भी उनसे कंधे मिला सकता है। आज कई बहुराष्ट्रीय भारतीय कंपनियों ने विदेशों में जाकर अन्य बहुराष्ट्रीय कंपनियों से न केवल टक्कर ली है, बल्कि उनसे ज्यादा अच्छे परिणाम दिए हैं। देश में पॉलिटिकल फ्रंट पर कामयाबी का आधार भी बेहतर प्रबंधन है। आम जीवन में समय प्रबंधन भी आपको कम समय में और कम प्रयासों के साथ अपने कार्यों को पूरा करने में मदद करता है।

इस प्रकार यह तनाव से निपटने का भी एक शानदार तरीका है। ऐसा कहा जाता है कि 'यदि आप अपना समय प्रबंधन नहीं कर सकते हैं, तो आप अपने जीवन के किसी अन्य हिस्से की व्यवस्था नहीं कर पाएंगे।' इसलिए सफलता की दिशा में पहला कदम कुशलतापूर्वक अपने समय का प्रबंधन करना है। अगर आप अपने समय को व्यवस्थित करने की कला में महारथ हासिल कर लेते हैं तो आप अपने कार्यों को बेहतर ढंग से संभालने में सक्षम होंगे। ऐसा इसलिए है क्योंकि समय प्रबंधन करना बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है। यह प्रेरणा स्तर को बढ़ाता है। यह आपको अधिक उत्पादकता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। जब आप समय प्रबंधन की तकनीक पर काम करते हैं तो काम की गुणवत्ता में वृद्धि होती है। कुशल समय प्रबंधन आपके तनाव के स्तर को कम करने में मदद करता है। समय प्रबंधन की युक्तियां हैं– जैसे कि हर सुबह जो काम निपटाने हैं, उनकी सूची तैयार करें। अपने कार्यों को प्राथमिकता दें। अपने प्रत्येक कार्य को पूरा करने के लिए समय निर्धारित करें। अपनी सूची पर नजर रखें और कार्यों को पूरा करने के बाद सूची से मिलान करते रहें। अपने कार्यों के बीच में ब्रेक लें।

प्रत्येक दिन कुछ समय के लिए ध्यान लगाएं। आज देश में मैनेजमेंट शिक्षा और स्किल्स को और मजबूत किया जाना चाहिए ताकि देश और समाज के विकास की गति को अधिक हुलारा मिल सके। देश में जितने अधिक कुशल प्रबंधक होंगे, उतने ही अधिक विकास कार्यों की योजनाएं बन सकेंगी तथा उन्हें अपने अंजाम तक पहुंचाया जा सकेगा। देश में समृद्धि और विकास लाने में प्रबंधन अहम भूमिका निभा सकता है। छात्रों को प्रशिक्षित करने के लिए हर राज्य में कम से कम एक आईआईएम होना जरूरी है। भारतीय प्रबंधन संस्थानों से प्रशिक्षण प्राप्त छात्र देश की समृद्धि और विकास में महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।

शमशान में भी भ्रष्टाचार

शमशान में भी बेशर्म भ्रष्टाचार! सुनने में थोड़ा अजीब लगता है लेकिन हकीकत यही है। इसे विडंबना नहीं तो और क्या कहेंगे जब श्मशान में मृतक की अंत्येष्टि के दौरान लोग धूप–पानी से बचने की खातिर बनी नई–नई गैलरी में खड़े हों, ठीक उसी समय भ्रष्टाचारियों की करतूत यमदूत बनकर आए और श्मशान में ही लोगों को मौत की नींद सुला जाए। ऐसा सिर्फ हमारे देश में भ्रष्टाचारियों पर सरपरस्ती के चलते ही हो सकता है और हुआ। देश में न जाने कितनी इससे मिलती–जुलती घटनाएं हो चुकी हैं लेकिन गाजियाबाद के मुरादनगर के उखलारसी गाँव की घटना ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया।

लोग आए तो थे मृतक का अंतिम संस्कार करने लेकिन भ्रष्टाचार की बलिवेदी पर चढ़कर एक–दो नहीं पूरे 27 लोगों ने जिस छत के नीचे बारिश से बचने का ठौर बना रखा था, वही भारी–भरकम छत मौत बन उनपर भरभरा कर गिर गयी। श्मशान में ही मौत का ताण्डव मच गया। हैरानी इस बात को लेकर और भी ज्यादा होती है कि ऐसी घटना उस महानगर में घटी जहाँ गगनचुंबी इमारतों की भरमार है। बड़े–बड़े निर्माण कार्यों में दक्षता की कमी नहीं है। उसी कंक्रीट के शहर में महज 20 फुट ऊंची तथा 70–80 फुट लंबी कंक्रीट की गैलरी बिना किसी आहट, सुगबुगाहट या संकेत के एकदम से भरभरा कर बैठ जाए और चारों तरफ चीख–पुकार, खून ही खून फैल जाए और बेसुध–बेजान लोगों के ढेर लग जाए। सच में उखलारसी गाँव के श्मशान में ऐसा ही हुआ। जानते है क्यों? क्योंकि यह एक सरकारी काम था जो ठेके पर बना था और ठेकेदार को भी क्वालिटी की परवाह नहीं थी, वजह साफ है भरपूर कमीशनबाजी का खेल था। लेकिन श्मशान में भी ऐसा खेल खेला जाएगा यह किसी को नहीं पता था! भ्रष्टाचार के अनगिनत किस्से–कहानियों में श्मशान में ऐसा पहली बार दिखा। पूरे देश में हर किसी की रुह काँप गई। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री भी द्रवित और दुखी हो गए। वाकई मुरादनगर की 3 जनवरी की घटना शायद देश के इतिहास की अबतक पहली अकेली घटना बन गयी जिसने बेईमानी की सारी सीमाओं को पार कर लोगों को हिलाकर रख दिया। यह नहीं पता था कि भ्रष्टाचार के सौदागर जलती चिता के सामने भी अपनी काली करतूतों को अंजाम देने से नहीं हिचकेंगे। ऐसा नहीं होता तो मुरादनगर की यह घटना कभी नहीं होती। उससे भी बढ़कर यह कि श्मशान में इस ठेके लिए भी राजनीतिक सिफारिशें हुईं, होड़ भी हुई अपनों को फायदा पहुँचाने का खेल भी हुआ। नतीजतन मौत का वो नंगा नाच हुआ कि एकबार यमराज भी थरथरा जाए।

60 साल पहले इन्दौर में एक पदयात्रा के दौरान सर्वोदयी नेता आचार्य विनोबा भावे के मुँह से निकले शब्द आज भी न केवल प्रासंगिक हैं बल्कि गूँजते हुए से लगते हैं जिसमें उन्होंने पीड़ा भरे लहजे में कहा था आजकल भ्रष्टाचार ही शिष्टाचार है। यकीनन उस महान संत का दर्द कहें या पीड़ा, 21 वीं सदी में भी भ्रष्टाचारी ही फलफूल रहे हैं। ऐसा ही कुछ 21 दिसम्बर 1963 को भारत में भ्रष्टाचार के खात्मे पर संसद में हुई बहस में डॉ. राममनोहर लोहिया ने भी कहा था कि सिंहासन और व्यापार के बीच का संबंध भारत में जितना दूषित, भ्रष्ट और बेईमान हो गया है उतना दुनिया के इतिहास में कहीं नहीं हुआ है। शायद पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गाँधी भी ऐसा ही कुछ कहना चाहते थे। दिल्ली से चले एक रुपए में गरीब तक 15 पैसे ही पहुँच पाते हैं, कहना उनकी बेबसी थी या गुस्सा पता नहीं।

सच तो यह है कि देशभर में ऐसे कितने उदाहरण मिल जाएंगे जहाँ कागजों में तालाब बन जाते हैं, विभिन्न योजनाओं में कुएं खुद जाते हैं। उद्घाटन से पहले पुल ढह जाते हैं। बनते ही सड़कें नेस्तनाबूद हो जाती हैं। हो–हल्ला होने पर जाँच की घोषणा हो जाती है लेकिन रिपोर्ट कब और क्या आती है, किसी को कानोंकान खबर नहीं होती। भ्रष्टाचार के आरोपी फलते–फूलते रहते हैं। भ्रष्टाचार रुके कैसे? एक ओर तेजी से डिजिटलाइजेशन, वहीं दूसरी ओर बढ़ता भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी और दलाली की प्रवृत्ति। वह भी जब सीधे खातों में योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा हो। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल के ग्लोबल करप्शन बैरोमीटर–एशिया सर्वे 2020 यही कुछ कह रहा है। इसमें भारत को एशिया का सबसे भ्रष्ट देश बताया गया, जहाँ रिश्वतखोरी जमकर होती है। रिपोर्ट कहती है कि 39 प्रतिशत लोगों को उनके हक की और स्वीकृत सुविधाओं को पाने के लिए भी रिश्वत देनी पड़ती है। जिसका चलन डिजिटल दौर में बजाए घटने के बढ़ता जा रहा है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए इससे बुरी बात और क्या हो सकती है? कहीं न कहीं यह हमारे सिस्टम की नाकामी है। दोष किसका है किसका नहीं, यह लंबी और तर्क–कुतर्क भरी बहस का विषय है।

यूँ तो देश में भ्रष्टाचार रोकने के लिए कई तरह के कानून और एजेंसियाँ हैं। लंबा–चौड़ा अमला भी है। एक से एक आदर्श वाक्य और सूत्र भी हैं। लेकिन सच यह है कि भ्रष्टाचार सुरसा–सा मुँह फाड़े चला जा रहा है। देश में चाहे निर्माण सेक्टर हो या औद्योगिक गतिविधियाँ, टैक्स चोरी रोकना हो या उत्खनन, चिकित्सा, शिक्षा, बैंकिंग, परिवहन या फिल्म उद्योग यानी देश में हर कहीं हर सरकारी दफ्तर में भ्रष्टाचार की जड़ें गहरे तक पैठ जमा चुकी हैं। ठेका हो या कोई अनुमति, निर्माण हो या जल, जंगल, जमीन का मसला हर कहीं भ्रष्टाचार का बेशर्म चेहरा दिख जाता है। जेब गरम होते ही सारे रुके काम आसानी से हो जाते हैं, भले ही रास्ता डिजिटल मोड में क्यों न हो। ऐसे में सवाल यही कि कैसे रुकेगा भ्रष्टाचार?

निश्चित रूप से देश को दुनिया के मुकाबले शीर्ष पर ले जाने का सपना संजोए हमारे प्रधानमंत्री भी इसपर बेहद गंभीर होंगे लेकिन रास्ता कैसा होगा, तय नहीं हो पा रहा होगा। काश वन नेशन वन राशनकार्ड की तर्ज पर एक ऐसा वन नेशन वन इंफर्मेशन पोर्टल बने जिसमें तमाम देश यानी केन्द्र और प्रदेशों के हर कार्यों जैसा ठेका, इजाजत, स्थानान्तरण, सरकारी गतिविधियों संबंधी सूचना की एक–एक जानकारी की फीडिंग तो की जा सके लेकिन इस पोर्टल की सारी जानकारियाँ केवल प्रधानमंत्री कार्यालय और प्रधानमंत्री ही देख सकें। उनकी बेहद विश्वस्त लोगों की एक टीम हो जो अचानक किसी भी काम की जाँच के लिए न केवल स्वतंत्र हो बल्कि एनएसए जैसे सख्त कानूनों से लैस हो। दोषी होने पर जल्द जमानत या सुनवाई का प्रावधान भी न हो और सीधे जेल की काल कोठरी का रास्ता हो। शायद यही डर और गतिविधि से पंचायत से लेकर महापालिकाओं और सरपंच के दफ्तर से लेकर कमिश्नरी और सचिवालय तक में भ्रष्टाचार को लेकर भय का माहौल बनेगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

किसानों के मुद्दों पर सरकार पर बरसे पूर्व मंत्री ब्रह्माशंकर, कहा–सड़क पर उतरेगी सपा

कुशीनगर, (वेबवार्ता)। प्रदेश पूर्व कैबिनेट मंत्री व वरिष्ठ सपा नेता ब्रह्माशंकर त्रिपाठी ने कहा की गन्ना मूल्य को लेकर किसानों को बरगलाने वाली भाजपा की सरकार ने पिछले 4 वर्षों से गन्ने का एक नया दाम नहीं बढ़ाया है। उल्टे नाना प्रकार के अव्यावहारिक नियम कानून बनाकर किसानों का उत्पीड़न करने का कार्य यह सरकार कर रही है। सरकार ने गन्ना मूल्य नहीं बढ़ाया और किसानों का शोषण बन्द नहीं किया तो समाजवादी पार्टी बड़ा आंदोलन करने को विवश होगी।

पूर्व मंत्री गुरुवार सुबह अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा किसानों के गन्ना में झुलसा रोग हो रहा है जिसका अभी तक प्रशासन ने कोई इंतजाम नहीं किया। जब टिड्डी का प्रकोप हुआ था तभी भी शासन–प्रशासन ने कोई इंतजाम नहीं किया। गन्ने की पर्ची बैठे–बैठे चुनिंदा लोगों को लखनऊ से मैसेज पास करके भेजा जा रहा है। जिन किसानों के पास मोबाइल फोन नहीं है या फिर चलाना नहीं जानते हैं उनको कोई पूछने वाला नहीं है। गन्ना तौल में घटतौली जमकर हो रही है। खाद, पानी, बिजली, डीजल, सब महंगा हो गया है। सब्सिडी के नाम पर किसानों के खाते में दस बीस पचास रुपए भेजे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गन्ना मूल्य किसानों को 316 रुपए पिछले 4 वर्षों से मिल रहा था अब इसका भुगतान भी दो किस्तों में किया जा रहा है 275 रुपए पहले और 41 रुपए 25 पैसा बाद में भुगतान किया जा रहा है। बाद में आने वाले धन की कोई गारंटी भी नहीं है की आएगा भी कि नहीं आएगा लगता है।

पूर्व मंत्री ने कहा कि यह सरकार उद्योगपतियों के हाथों में खेल रही है और उद्योगपतियों का कठपुतली बनकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि चीनी मिल मालिकों को खुश करने के लिए किसानों के गले पर छुरा चलाने का काम किया जा रहा है चीनी मिल मालिक अब किसानों से भाड़ा के रूप में 9 रुपए काट रहा है। समाजवादी सरकार में जब मैंने मुद्दा उठाया था तो भाड़ा को 3 रुपए कर दिया गया था। सरकार किसानों को बीज दवा खाद का इंतजाम भी नहीं कर रही है। ऐसी सरकार को एक मिनट भी सत्ता में रहने का अधिकार नही है। पूर्व मंत्री बोले कि वर्तमान सरकार की मंशा है कि किसान अपने खेत में मजदूर बनकर काम करें और अपना खेत पूजीपतियों को सौंप दें। लेकिन सरकार की यह मंशा समाजवादी पार्टी कभी भी पूरी नहीं होने देगी सरकार जल्द से जल्द किसानों के हित में फैसले नहीं लेती तो इसके लिए सपा सड़क पर उतरकर बड़ा आंदोलन करेगी।

राहुल गांधी ने केंद्र पर साधा निशाना, कहा– ईंधन पर भारी टैक्स वसूलकर जनता को लूट रही सरकार

नयी दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और वॉयनाड से सांसद राहुल गांधी ने पेट्रोल–डीजल के बढ़ते दामों को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा कि मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स वसूलकर जनता को लूट रही है। बता दें कि तेल कंपनियों ने लगातार दूसरे दिन कीमतों में बढ़ोतरी की है। जिसकी वजह से राजधानी दिल्ली में गुरुवार को पेट्रोल की कीमत 84.20 रुपए प्रति लीटर हो गई। जबकि डीजल की कीमत बढ़कर 74.38 रुपए रही।

इसी बीच राहुल गांधी ने ट्वीट किया कि पेट्रोल–डीजल के दामों में गजब का 'विकास' हुआ है। मोदी सरकार ईंधन पर भारी टैक्स वसूलकर जनता को लूट रही है। यही कारण है कि सरकार पेट्रोल–डीजल पर जीएसटी (GST) लागू करने को तैयार नहीं है। वहीं, कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने कहा कि पेट्रोलियम उत्पादों (पेट्रोल–डीजल) पर उत्पाद शुल्क को कम करके यूपीए सरकार के समय की दरों के बराबर किया जाए ताकि देश के लोगों को राहत मिल सके।

कुशीनगर अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट उद्घाटन कभी भी, रन-वे पर गतिविधियां तेज

कुशीनगर, (वेबवार्ता)। बौद्ध सर्किट के लिए महत्वपूर्ण और केंद्र सरकार की मेगा परियोजना कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन का कार्यक्रम कभी भी आ सकता है। इसकी संभावना प्रबल हो गई है। सांसद विजय दुबे ने इसकी पुष्टि की है। दरअसल बुधवार देर शाम को एयरपोर्ट के रन वे लगे कैट वन एप्रोच लाइट का परीक्षण हुआ। स्विच आन होते ही 3200 मीटर लंबे रन–वे पर फैली रंग बिरंगी रोशनी एयरपोर्ट से सटे शहर व आस पास के गांवों में फैल गई। लोग कौतुक से रोशनी निहारने घरों की छत पर चढ़ गए। इसी के साथ एयरपोर्ट से उड़ान को लेकर चर्चा तेज हो गई है। एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करने को लेकर युद्धस्तर पर कार्य हो रहे हैं। कैट वन लाइट का परीक्षण भी इसी दिशा में हुआ। कैट वन के सहारे विमान खराब मौसम, बारिश, घने कोहरे व अंधेरी रात को भी न्यूनतम दृश्यता में भी लैंड व टेक आफ कर सकेंगे। नागर विमानन मंत्रालय एयरपोर्ट का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों व प्रथम अंतर्राष्ट्रीय उड़ान श्रीलंका के कोलंबो से आने वाले विमान के जरिए कराने की योजना पर कार्य कर रहा है। बोइंग–737 विमान से श्रीलंका के 180 बौद्ध भिक्षुओं को लाया जाना प्रस्तावित है। बौद्ध सर्किट के पर्यटन के लिए संजीवनी मानी जा रही इस परियोजना की हर गतिविधि पर पीएमओ व विदेश मंत्रालय भी निगाह रख रहा है। महाप्रबन्धक संजय नारायण ने बताया कि एयरपोर्ट का कार्य पूरा होने के कगार पर है। एप्रोच लाइट का परीक्षण उसी का हिस्सा है। 350 मीटर दृश्यता में भी एयरपोर्ट पर विमान जब चाहें उतारा जा सकता है। किंतु यह निर्णय सरकार को करना है। विजय दुबे सांसद कुशीनगर ने बताया कि एयरपोर्ट उद्घाटन के लिए पूरी तरह तैयार है। इसके लिए मेरा पीएमओ व मुख्यमंत्री कार्यालय से लगातार संपर्क में बना हुआ है। उद्घाटन का कार्यक्रम कभी भी आ सकता है।

अवध केसरी सेना के कार्यकर्ताओं द्वारा 10 जनवरी को बजाज चीनी मिल का किया जाएगा घेराव एवं धरना प्रदर्शन

अवध की आवाज ब्यूरो

कहोबा चौराहा गोंडा। विशाल धरना प्रदर्शन अवध केशरी सेना के तरफ से बजाज चीनी मिल कुन्दुरूखी पर 10 जनवरी 2021 सुबह 10:00 बजे किया जाएगा। आपको बताते चलें अवधी केसरी सेना के प्रमुख नीरज ठाकुर ने बताया, कि बीते वर्ष चीनी मिल द्वारा खरीदा गया गन्ना का भुगतान न मिलना , और इस वर्ष किसानों को समय से गन्ना पर्ची न मिलना, किसानों द्वारा चीनी मिल पर लाया गया गन्ना समय से तौल न होना, 12–12 घंटे लाइन में लगे रहना, सहित अन्य समस्याओं को लेकर, गांव–गांव जाकर अवध केशरी सेना के प्रमुख एवं सभी पदाधिकारी भ्रमण करके, किसानों को इसके बारे में जागरूक किया जा रहा हैं।अवध केसरी सेना के प्रमुख ठाकुर नीरज सिंह के नेतृत्व में गांव–गांव जाकर किसानों से मिलकर उन्हें आंदोलन में भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया। उन्होंने बताया कि रामपुर, अनूपपुर, पिकोरा, सधईपुरा,खखरेभारी सहित दर्जनों गांव का भ्रमण किया गया जिसमें अरुणेश कुमार यादव, मानवेंद्र सिंह उर्फ मोनू, विपिन पांडे,संतोष सिंह, आलोक सिंह, बाबा अंकित सिंह सहित दर्जनों अवध केशरी सेना के पदाधिकारी मौजूद रहे।

स्मृति के दौरे से पहले अमेठी कांग्रेस के जिला सचिव का इस्तीफा, राजनतिक हलचल तेज

जिला सचिव बोले–मुझे किसी पद की लोलुपता नही, लक्ष्य है गांधी परिवार को वापस लाना

अमेठी, (वेबवार्ता)। उत्तर प्रदेश में अमेठी जैसा अपना अभेद दुर्ग खो चुकी कांग्रेस अब अपने वर्कर्स को भी संजो नहीं पा रही है। पार्टी ने जिला सचिव ने पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने कहा है कि 'हम कांग्रेसी हैं और रहेंगे, मुझे किसी लोलुपता की आवश्यकता नहीं। लक्ष्य है गांधी परिवार को वापस लाना, इसके लिए जो सही रास्ता होगा उस पर मैं चलूंगा, किसी के सहयोग की आवश्यकता नही।' लेकिन आज केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी के एक दिवसीय दौरे से कुछ घंटे पहले अमेठी कांग्रेस के जिला सचिव का इस्तीफा बड़े सवाल खड़ा कर गया है।

2014 के लोकसभा के बाद ज्वाइन की थी कांग्रेस जानकारी के अनुसार सुलतानपुर जिले के हलियापुर कोतवाली क्षेत्र के कस्बा निवासी धनंजय सिंह एमबीए डिग्री होल्डर हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद जब बीजेपी ने कश्मीर में पीडीपी से पैक कर सरकार बनाई तो उन्होंने पार्टी से इस्तीफा देकर कांग्रेस का हाथ थाम लिया। काफी एक्टिव भूमिका में दिखने वाले धनंजय को कांग्रेस ने पहले अमेठी जिले में समन्वय समिति का सदस्य मनोनीत किया। 2019 का लोकसभा चुनाव आया तो पार्टी ने उन्हें सुलतानपुर के बल्दीराय ब्लाक का अध्यक्ष बनाया और हाल ही में उन्हें अमेठी जिले का सचिव बनाया गया था।

बता दें कि हलियापुर एरीये के कई गांव सुलतानपुर जिले में हैं लेकिन वोटिंग अमेठी लोकसभा सीट के लिए करते हैं। 2014 के बाद कश्मीर में पीडीपी के साथ सरकार बनाने पर छोड़ी थी भाजपा उल्लेखनीय है कि, गुरुवार को केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी अमेठी के एक दिवसीय दौरे पर हैं। वो रायबरेली जिले के परसदेपुर और सुलतानपुर जिले के हलियापुर का दौरा करेंगी। उससे ठीक पहले अमेठी कांग्रेस के जिला सचिव धनंजय सिंह का सोशल मीडिया पर इस्तीफा आ गया। पूछने पर धनंजय सिंह ने बताया कि, मैं पूर्व में भाजपा में था, लेकिन भाजपा ने 2014 के बाद जब कश्मीर में पीडीपी के साथ सरकार बनाई तो हमें भाजपा की नीति सही नहीं लगी। उसकी नीति केवल काला झंडा दिखाना है।

उन्होंने कहा कि बल्दीराय के 29 गांव में कांग्रेस अपना संगठन खड़ा करे, और मैं अपना संगठन खड़ा करूंगा देखते हैं कौन बेहतर है? आज ही मैं अपने जिला सचिव पद से त्यागपत्र देता हूं, क्योंकि जब से कांग्रेस में 29 गांव शामिल हुए हैं, तब सारे बूथ जीतने के बाद से लगातार रसातल में हम जा रहे थे। पहली बार बल्दीराय ब्लॉक पॉजिटिव ग्रोथ में आया और विधानसभा की तुलना में 1 प्रतिशत वोट भाजपा का कम हुआ, बढ़े वोट भी अपने खाते में आये। सनद रहे कि धनंजय सिंह वही नेता हैं कि दिसंबर 2020 के अंत में जब स्मृति ईरानी अमेठी आई थीं और हलियापुर जा रही थीं तो धनंजय और उनके साथियों को हलियापुर पुलिस ने हिरासत में लिया था। अमेठी कांग्रेस के अध्यक्ष प्रदीप सिंघल से फोन पर बात की गई तो उन्होंने कहा कि आप लोगों को हुआ क्या है? मेरे संज्ञान में ऐसा कोई मामला नहीं, उन्होंने आकर मुझे कोई इस्तीफा नहीं सौंपा है। बुधवार को पार्टी की मीटिंग भी थी लेकिन वो आए नहीं थे।

ड्रग्स केसः बुलाने पर भी एनसीबी दफ्तर नहीं पहुंची अर्जुन रामपाल की बहन

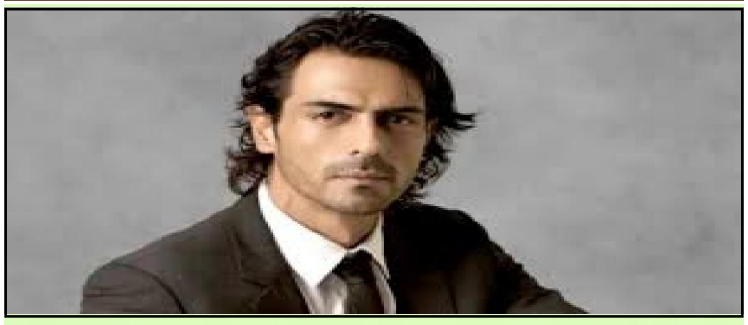

मुंबई, (वेबवार्ता)। अर्जुन रामपाल की बहन कोमल रामपाल एनसीबी दफ्तर नहीं पहुंची। उनको बुधवार को ड्रग मामले में जांच के लिए समन किया गया था। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को जानकारी दी है कि वह जांच एजेंसी के सामने नहीं आ सकती हैं। उनके वकील ने ना आने की वजह एनसीबी को बताई है। सुशांत सिंह राजपूत में ड्रग ऐंगल सामने आने के बाद पुलिस कई लोगों को अरेस्ट कर चुकी है। इस मामले में कई सिलेब्स से पूछताछ हुई है। अर्जुन रामपाल और उनकी गर्लफ्रेंड गैब्रिएला को समन किया जा चुका है। वहीं गैब्रिएला के भाई अगिसियालोस की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। अब अर्जुन की बहन को पूछताछ के लिए बुलाया गया था। हालांकि उन्होंने बताया है कि आने में असमर्थ हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, छापेमारी में अर्जुन के घर से कुछ ऐसी दवाएं मिली थीं जो बिना प्रिस्किप्शन के नहीं मिल सकतीं। अर्जुन की बहन को काफी पहले समन किया गया था। वहीं गैब्रिएला के भाई पर बड़े ड्रग सिंडिकेट का हिस्सा होने का आरोप है।

सेलेब्रिटी फैशन डिजाइनर स्वपनिल शिंदे ने कराया लिंग परिवर्तन, रखा नया नाम सायशा

मुंबई। फैशन डिजाइनर स्वप्निल शिंदे ने अपना लिंग परिवर्तन करा कर अपना नया नाम सायशा रख लिया है। फिल्म इंडस्ट्री में दीपिका पादुकोण, करीना कपूर खान, श्रद्धा कपूर, तापसी पन्नू और कियारा आडवाणी जैसी अभिनेत्रियों के लिये काम कर चुकीं शिंदे ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर लिंग परिवर्तन के अपने कदम को सार्वजनिक किया। शिंदे ने लिखा, अपने जन्म से इतर, हमेशा कुछ ऐसा होता है जो आपको आपके बचपन की याद दिलाता है। मेरे लिये, यह मुझे ऐसे अकेलेपन में ले जाता जो दर्द, दबाव देता है और मुझे एकाकीपन में धकेल देता जहां हर पल मेरा भ्रम बढ़ता जाता।" शिंदे ने कहा कि क्योंकि वह दूसरों से "अलग" थीं इसलिये स्कूल और कॉलेज के दौरान उनके साथी उनका मजाक उड़ाते। उन्होंने लिखा, "स्कूल और कॉलेज के दौरान लड़के मुझे अलग होने के कारण परेशान करते थे तो वहीं मेरे अंदर की पीड़ा उससे भी बुरी थी।" शिंदे ने लिखा, मैं उस हकीकत में जीने में घुटन महसूस करती थी जिसके बारे में मुझे पता था कि वह मेरी नहीं है।

इसके बावजूद मुझे हर दिन समाज

की उम्मीदों और नियमों की वजह से वह दिखाना पड़ता था। शिंदे ने कहा कि जब उनकी उम्र 20 साल से अधिक हो गई और उन्होंने नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (एनआईएफटी) में प्रवेश लिया, तब उनमें "सच्चाई को स्वीकार" करने की हिम्मत आई। उन्होंने कहा, मैं वास्तव में निखरी। मैंने अगले कुछ साल यह मानते हुए बिताए कि मैं पुरुषों की तरफ आकर्षित थी क्योंकि मैं समलैंगिक (गे) थी, लेकिन छह साल पहले मैंने अंततरू खुद को स्वीकार किया और आज मैं आपके सामने स्वीकार कर रही हूं। मैं एक समलैंगिक पुरुष नहीं हूं, मैं एक ट्रांसवुमन हूं। शिंदे ने अपने नए लुक की एक तस्वीर भी साझा की और बताया कि उनके नए नाम (सायशा) का मतलम "सार्थक जीवन" है। इंडस्ट्री में शिंदे की कई दोस्तों और सहकर्मियों ने उन्हें बधाई दी। इनमें श्रुति हसन, अदिति राव हैदरी, एशा गुप्ता और श्रद्धा श्रीनाथ शामिल हैं। परिनीति चोपड़ा ने शिंदे की पोस्ट पर टिप्पणी की, "यह पढ़कर बहुत खुश हूं। यहां से आगे और आगे ही बढ़ती जाओ सायशा।

पेट्रोल की कीमत में फिर लगी आग, दिल्ली में नई ऊंचाई पर पहुंची कीमत

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों द्वारा लगातार दूसरे दिन कीमतों में बढ़ोतरी करने के बाद राष्ट्रीय राजधानी में पेट्रोल की कीमत गुरुवार को 84.20 रुपये प्रति लीटर हो गई, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। तेल विपणन कंपनियों की मूल्य अधिसूचना के अनुसार गुरुवार को पेट्रोल की कीमत में 23 पैसे प्रति लीटर और डीजल की कीमत में 26 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में अब पेट्रोल की कीमत 84.20 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 74.38 रुपये हो गई है। मुंबई में पेट्रोल 90.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 81.07 रुपये प्रति लीटर है। यह दिल्ली में पेट्रोल की अब तक की सबसे अधिक कीमत है, जबकि मुंबई में डीजल रिकॉर्ड ऊंचाई पर है।

सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसी), भारत पेट्रोलियम

कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने बुधवार को लगभग एक महीने बाद दैनिक आधार पर कीमतों की समीक्षा फिर शुरू की। बुधवार को पेट्रोल के दाम में 26 पैसे प्रति लीटर और डीजल में 25 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। इससे पहले दिल्ली में पेट्रोल की अधिकतम कीमत चार अक्टूबर 2018 को 84 रुपये प्रति लीटर थी। उस समय डीजल 75.45 रुपये प्रति लीटर के स्तर पर था। ऐसे में सरकार ने महंगाई के दबाव को कम करने और ग्राहकों का भरोसा बढ़ाने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 1.50 रुपये प्रति लीटर की कटौती की थी। इसके साथ ही तेल विपणन कंपनियों ने भी कीमतों में एक रुपये प्रति लीटर की कटौती की। हालांकि, एक सरकारी अधिकारी ने बुधवार को बताया कि फिलहाल कोई कर कटौती विचाराधीन नहीं है।

सोनू सूद के खलिाफ बीएमसी ने पुलिस में की शकियत, जुहू के 6 मंजिला घर को होटल बनाने का आरोप

मुंबई, (वेबवार्ता)। सोनू सूद के खिलाफ बीएमसी ने पुलिस ने शिकायत दर्ज करवाई है। उन पर आरोप है कि जुहू में छह मंजिला रेजिडेंशल बिल्डिंग को उन्होंने होटल में तब्दील किया है। बीएमसी ने पुलिस से कहा है कि सोनू सूद की इस गलती को संज्ञान में लें। बीएमसी ने इस मामले में जुहू पुलिस से 4 जनवरी को शिकायत की थी। इस कम्प्लेंट में बताया गया था कि सोनू सूद ने शक्ति सागर बिल्डिंग जो कि एक रिहाइशी इमारत है, इसे बिना परमिशन लिए होटल में तब्दील कर लिया है। बीएमसी ने पुलिस से दरख्वास्त की है कि सोनू पर महाराष्ट्र रीजन ऐंड टाउन प्लानिंग ऐक्ट के तहत ऐक्शन लिया जाए। वहीं सोनू सूद का इस मामले में कहना है कि उन्होंने यूजर चेंज की परमिशन बीएमसी से मांगी थी। वह महाराष्ट्र कोस्टल जोन मैनेजमेंट अथॉरिटी की तरफ स क्लीयरेंस मिलने का इंतजार कर रहे हैं। कोविड–19

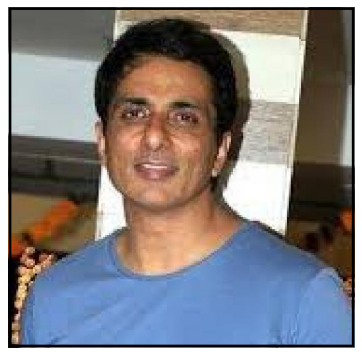

की वजह से कोस्टल जोन अथॉरिटी की तरफ से परमिशन नहीं मिल सकी है। सोनू ने किसी भी तरह की अनियमितता की बात से इनकार किया। वहीं पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच चल रही इसके बाद ही एफआईआर दर्ज होगी।

महाराष्ट्र सरकार कोयला कंपनियों से वसूलेगी नुकसान भरपाई

मुंबई, (वेबवार्ता)। महाराष्ट्र के ऊर्जा मंत्री नितिन राऊत ने निकृष्ट दर्जे का कोयला आपूर्ति करनेवाली कंपनियों से नुकसान भरपाई वसूलने का निर्देश दिया है। शिकायत राज्य सरकार से किए गए अनुबंध के तहत कुछ कंपनियां दर्जेदार कोयले की आपूर्ति नहीं कर रही है, जिसके चलते ताप बिजली परियोजनाओं के उत्पादन पर विपरीत परिणाम हो रहा है। ऊर्जा मंत्री ने संबन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि करार के अनुसार कोयले की आपूर्ति न करने वाली कोयला कंपनियों से नुकसान भरपाई की प्रकिया तेज की जाए। अच्छी गुणवत्तावाले कोयले की आपूर्ति न होने से बिजली उत्पादन खर्च बढ़ने से बिजली दर पर असर पड़ता है। प्रदूषण बढ़ने के साथ ही कंपनी के कल पुर्जो पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इधर ऊर्जा विभाग ताप बिजली संयंत्रों से निकलनेवाली राख (फ्लाई ऐश) से सड़के बनाने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए एक कारगर मसौदा तैयार करने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया है। कोयले की राख का उपयोग ईंट, सीमेंट और टाइल्स बनाने में भी किया जाएगा। ताप बिजली परियोजनाओं में बड़े पैमाने पर राख निकलती है। फ्लाई ऐश एक बारीक पाउडर है जो तापीय बिजली संयंत्रों में कोयले के जलने से उप–उत्पाद के रूप में प्राप्त होता है। इससे प्रदूषण का भी संकट रहता है। प्रदूषण नियंत्रण के साथ ही उस राख का व्यापारिक इस्तेमाल किस तरह किया जा सकता है, इसके लिए प्लान बनाने की तैयारी की जा रही है। फ्लाई ऐश का उपयोग सड़क, सीमेंट, ईंट, टाइल्स बनाने में किया जा सकता है। इस मामले के विशेषज्ञों से फ्लाई ऐश की उपयोगिता, क्षमता, कीमत आदि के बारे में अध्ययन कराया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने सभी पहलूओं की जांच–पड़ताल के बाद निकाले गए निष्कर्ष के आधार पर लोक निर्माण विभाग और राज्य सड़क विकास महामंडल के अधिकारियों के साथ बैठक कर राख की उपयोगिता पर सहमति बनाने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार के निर्माण कार्य में भी राख का उपयोग बढ़ाने का प्रयास करने पर बल दिया गया है। महानिर्मिति कंपनी को इसके लिए एक विशेष अधिकारी नियुक्त करने निर्देशित किया गया है। राख का उद्योग शुरू करने के लिए उर्जा विभाग के अधीन एक उप कंपनी स्थापित करने के संबंध में विकल्प तलाशाने कहा गया है।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 250 अंक से ज्यादा उछला, निफ्टी 14,200 के पार

मुंबई, (वेबवार्ता)। सकारात्मक वैश्विक संकेतों के चलते प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स में गुरुवार को शुरुआती कारोबार के दौरान 250 अंकों से अधिक का उछाल आया, और रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक में तेजी देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 270.69 अंक या 0.56 प्रतिशत बढ़कर 48,444.75 पर था, जबकि एनएसई निफ्टी 80.95 अंक या 0.57 प्रतिशत बढ़कर 14,227.20 पर पहुंच गया। सेंसेक्स में सबसे अधिक दो प्रतिशत की तेजी पावरग्रिड में हुई। इसके अलावा एसबीआई, इंडसइंड बैंक, एलएंडटी, एक्सिस बैंक, ओएनजीसी और बजाज फाइनेंस में भी बढ़त देखने को मिली। दूसरी ओर टाइटन, टीसीएस, एचयूएल और इंफोसिस लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। पिछले सत्र में सेंसेक्स 263.72 अंक या 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,174.06 पर और निफ्टी 53.25 अंक या 0.38 प्रतिशत गिरकर 14,146.25 अंक पर बंद हुआ था। शेयर बाजार के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने बुधवार को सकल आधार पर 483.64 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। इस बीच वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.79 प्रतिशत बढ़कर 54.73 प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था।

कैपिटल में घुसे ट्रंप समर्थकों और पुलिस के बीच झड़प, चार लोगों की मौत

वाशिंगटन, (वेबवार्ता)। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हजारों समर्थक कैपिटल परिसर में घुस गए और पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल भी हुए हैं। इसके साथ ही नए राष्ट्रपति के रूप में जो बाइडन के नाम पर मोहर लगाने की संवैध ाानिक प्रक्रिया बाधित हुई। कांग्रेस के सदस्य बुधवार को 'इलेक्टोरल कॉलेज वोट' की गिनती कर रहे थे, इसी दौरान बड़ी संख्या में ट्रंप के समर्थक सुरक्षा व्यवस्था को ध्वस्त करते हुए कैपिटल परिसर में घुस गए। पुलिस को इन प्रदर्शनकारियों को काबू करने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इन हालात में प्रतिनिधि ा सभा और सीनेट तथा पूरे कैपिटल को बंद कर दिया गया। उपराष्ट्रपति माइक पेंस और सांसदों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि बुधवार को कैपिटल परिसर में हंगामे और दंगे के बीच एक पुलिस अधिकारी की गोली लगने से एक महिला की मौत हो गई। कई प्रदर्शनकारी घायल भी हुए हैं। वाशिंगटन डीसी पुलिस प्रमुख रॉबर्ट कोंटे ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों द्वारा कैपिटल परिसर में किए दंगों को ''शर्मनाक'' बताया। पुलिस ने बताया कि तीन अन्य लोग भी इस घटना में मारे गए। बिगड़ते हालात के बीच राष्ट्रीय राजधानी में कर्फ्यू लगा दिया गया। लेकिन बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी कर्फ्यू का उल्लंघन करते हुए सड़कों पर उतर आए। मेयर मुरियल बोसर ने दोपहर में कर्फ्यू की घोषणा कर दी थी। अधिकारियों ने ट्रंप समर्थकों द्वारा करीब चार घंटे तक की गई हिंसा पर काबू पाने के बाद कहा कि कैपिटल अब सुरक्षित है। भीड़ को तितर–बितर करने के लिए बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों की तैनाती की गई थी। प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने सहकर्मियों को लिखे एक पत्र में कहा कि कांग्रेस के नेताओं ने कैपिटल में शांति होने के बाद संयुक्त सत्र आज रात फिर शुरू करने का फैसला किया है। ट्रंप, जो पहले अपने समर्थकों को बढ़ावा दे रहे थे, हिंसा के बाद उन्होंने उनसे कानून का पालन करने और घर जाने की अपील की। ट्रंप ने एक वीडियो संदेश में कहा था, '' यह चुनाव धोखाधड़ी भरे थे, लेकिन हम ऐसा कुछ नहीं कर सकते, जिससे खुद को नुकसान पहुंचे और दूसरों को फायदा। हमें शांति चाहिए ही चाहिए। इसलिए घर जाएं।'' राष्ट्रपति चुनाव में धांध ाली संबंधी पोस्ट लगातार करने पर माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने एक अप्रत्याशित कदम उठाते हुए राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अकाउंट पर बुधवार को 12 घंटे के लिए रोक लगा दी। ट्विटर ने चेतावनी भी दी कि अगर भविष्य में ट्रंप ने नियमों का उल्लंघन किया तो उनके अकाउंट पर स्थायी रूप से रोक लगा दी जाएगी। वहीं, फेसबुक ने कहा कि वह दो नीतियों के उल्लंघन के मद्देनजर 24 घंटे के लिए राष्ट्रपति के अकाउंट पर रोक लगा रहा है। इस दौरान वह कुछ भी पोस्ट नहीं कर पाएंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस पूरी घटना पर कहा कि वह स्तब्ध और काफी दुखी हैं कि अमेरिका को ऐसा दिन देखना पड़ा। बाइडन ने राष्ट्र के नाम एक संबोधन में कहा, '' इस समय, हमारे लोकतंत्र पर अप्रत्याक्षित हमला हो रहा है। हमने आधुनिक समय में ऐसा कभी नहीं देखा। स्वतंत्रता के गढ़, कैपिटल पर हमला। लोगों का प्रतिनिधित्व करने वालों और कैपिटल हिल पुलिस...और लोक सेवक जो हमारे गणतंत्र के मंदिर में काम करते हैं उन पर हमला...'' उन्होंने कहा, '' मैं स्पष्ट करना चाहूंगा। कैपिटल में अराजकता का यह दृश्य असल अमेरिका को प्रतिबंबित नहीं करता। हम जो हैं, उसका प्रतिनिधि ात्व नहीं करता। हम देख रहे हैं, कि थोड़ी सी संख्या में कुछ कट्टरपंथी अराजकता फैला रहे हैं। यह अव्यवस्था है। यह अराजकता है। यह राजद्रोह के समान है। इसका अब अंत होना चाहिए।'' उन्होंने राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में कहा, '' मैं राष्ट्रपति ट्रंप से अपनी शपथ का मान रखते हुए, राष्ट्रीय टेलीविजन पर जाकर इसके अंत की मांग करते हुए संविधान की रक्षा करने की अपील करता हूं।'' व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कायले मैकनेनी ने बताया कि राष्ट्रपति ट्रंप ने 'नेशनल गार्ड' और अन्य 'संघीय सुरक्षा सेवाओं' को कैपिटल में इन दंगाइयों से निपटने में मदद करने का निर्देश दिया है। कार्यकारी रक्षा सचिव क्रिस मिलर ने हालांकि कहा कि उन्होंने उप राष्ट्रपति माइक पेंस, सीनेट के नेता मैककोनेल, स्पीकर पेलोसी और सीनेटर शुमर से 'नेशनल गार्ड' की तैनाती को लेकर बात की है। उन्होंने राष्ट्रपति ट्रंप का जिक्र नहीं किया। दंगे होने से पहले कांग्रेस 538 'इलेक्टोरल वोट' में से 12 वोट को प्रमाणित कर चुकी थी और यह सभी राष्ट्रपति ट्रंप को मिले थे। अमेरिका के सभी चार जीवित पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा, जॉर्ज डब्ल्यू बुश, बिल क्लिंटन और जिम्मी कार्टर ने भी हमले की निंदा की है।

बड़ी संख्या में किसानों के जमावड़े पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता, कहा– तबलीगी जमात जैसा हाल न हो

नयी दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने कोविड–19 महामारी के बीच तीन कृषि कानूनों के विरोध ा में दिल्ली की सीमा पर बड़ी संख्या में किसानों के जमावड़े पर बृहस्पतिवार को चिंता व्यक्त करते हुये केन्द्र से जानना चाहा कि क्या वे कोरोना संक्रमण के प्रसार से सुरक्षित हैं। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे,न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामासुब्रमणियन की पीठ ने पिछले साल इस महामारी पर काबू पाने के लिये लागू हुये लाकडाउन के दौरान आनंद विहार बस अड्डे और निजामुद्दीन मरकज में तबलीगी जमात के आयोजन में बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने की घटना की सीबीआई जांच के लिये दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान किसानों की सुरक्षा को लेकर यह चिंता व्यक्त की। पीठ ने कहा, ''किसानों के आन्दोलन से वैसी ही समस्या पैदा होने जा रही है। हमें नही मालूम कि क्या किसान कोविड से सुरक्षित हैं।

वही समस्या फिर पैदा होने जा रही है। ऐसा नहीं है कि सब कुछ बीत गया है। न्यायालय ने केन्द्र की ओर से पेश सालिसीटर जनरल तुषार मेहता से जानना चाहा कि क्या विरोध प्रदर्शन कर रहे किसान कोविड–19 से सुरक्षित हैं। मेहता ने जवाब दिया, ''निश्चित ही ऐसा नहीं है।'' मेहता ने कहा कि वह दो सप्ताह के भीतर एक रिपोर्ट दाखिल करके बतायेंगे कि क्या किया गया है और क्या करने की जरूरत है। यह याचिका अधिवक्ता सुप्रिय पंडिता ने दायर की है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि दिल्ली पुलिस बड़ी संख्या में लोगों को एकत्र होने से नहीं रोक सकी और निजामुद्दीन मरकज का मुखिया मौलाना साद अभी तक गिरफ्तारी से बच रहा है। याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ओम प्रकाश परिहार ने कहा कि मौलाना साद के बारे में केन्द्र ने कोई बयान नहीं दिया है।

इस पर पीठ ने परिहार से सवाल

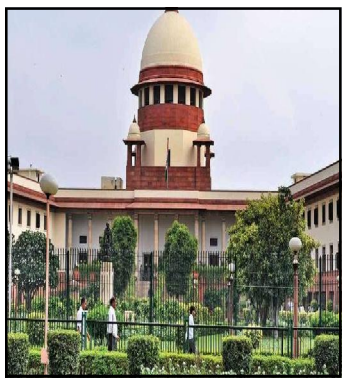

किया, ''आपकी दिलचस्पी एक व्यक्ति में क्यों हैं? हम कोविड के मुद्दे पर हैं। आप विवाद क्यों चाहते हैं? हम चाहते हैं कि कोविड दिशानिर्देशों का पालन होना चाहिए।'' न्यायालय ने इस मामले में औपचारिक नोटिस जारी किया। इसके बाद, मेहता ने कहा कि वह इसमें अपना जवाब दाखिल करेंगे। केन्द्र सरकार ने पिछले साल पांच जून को न्यायालय से कहा था कि लॉकडाउन के दौरान आनंद विहार बस अड्डे पर बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने और तबलीगी जमानत के कार्यक्रम के आयोजन की घटनाओं की दिल्ली पुलिस जांच कर रही है और इसमें सीबीआई जांच की आवश्यकता नहीं है।

किसानों की ट्रैक्टर रैली से पहले दिल्ली सीमा पर बढाई गयी सुरक्षा

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। किसानों की ट्रैक्टर रैली से पहले बृहस्पतिवार सुबह राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर सुरक्षा बढ़ा दी गयी है। केंद्र के कृषि कानूनों के खिलाफ किसान अलग–अलग जगहों पर रैली निकालने वाले हैं। मौसम ठीक नहीं रहने के पूर्वानुमान के बाद किसानों ने छह जनवरी के बजाए सात जनवरी को ट्रैक्टर रैली निकालने की घोषणा की थी। पिछले चार दिनों में शहर में बारिश हुई थी। भीषण ठंड, बारिश के बावजूद पंजाब, हरियाणा और देश के कुछ अन्य भागों के हजारों किसान पिछले 40 दिनों से ज्यादा समय से दिल्ली की अलग–अलग सीमाओं पर डटे हुए हैं। किसान कृषि कानूनों को निरस्त करने, फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कानूनी गारंटी देने तथा दो अन्य मुद्दों को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शन कर रहे किसान संगठनों और तीन केंद्रीय मंत्रियों के बीच सोमवार को हुई बैठक बेनतीजा रही थी क्योंकि किसान तीनों कानूनों को निरस्त करने की अपनी मांग पर डटे हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी की सीमाओं पर किसानों के आने के बाद से दिल्ली यातायात पुलिस अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से शहर में सड़कों के बंद होने के बारे में लोगों को लगातार सूचनाएं दे रही है। सिलसिलेवार ट्वीट में यातायात पुलिस ने कहा कि सिंघू, औचंदी, प्याऊ मनियारी, सबोली और मंगेश बार्डरा यातायात के लिए बंद है। यातायात पुलिस ने कहा, ''किसानों के प्रदर्शन के कारण चिल्ला और गाजीपुर बॉर्डर बंद हैं। नोएडा और गाजियाबाद से दिल्ली आने के लिए आनंद विहार, डीएनडी, भोपुरा और लोनी बार्डर जैसे वैकल्पिक मार्ग का इस्तेमाल करें।''

लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गैरकानूनी प्रदर्शनों से बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती: मोदी

नई दिल्ली, (वेबवार्ता)। प्रध ाानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प पर बृहस्पतिवार को चिंता व्यक्त की और कहा कि सत्ता का हस्तांतरण शांतिपूर्ण तरीके से होना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गैरकानूनी प्रदर्शनों से बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा, ''वाशिंगटन डीसी में हिंसा और दंगे की खबरों से चिंतित हूं। सत्ता का सुव्यवस्थित और शांतिपूर्ण हस्तांतरण जारी रहना चाहिए। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को गैरकानूनी प्रदर्शनों के जरिए बदलने की अनुमति नहीं दी जा सकती।'' गौरतलब है कि वाशिंगटन डीसी स्थित कैपिटोल परिसर में ट्रंप के समर्थकों और पुलिस के बीच हिंसक झड़प हुई, जिसके बाद परिसर को बंद कर दिया गया। कैपिटोल के भीतर यह घोषणा की गई कि ''बाहरी सुरक्षा खतरे'' के कारण कोई व्यक्ति कैपिटोल परिसर से बाहर या उसके भीतर नहीं जा सकता।

अवध की आवाज दैनिक समाचार पत्र अचलगंज उन्नाव बदरका 7 जनवरी देश की आन बान शान के के लिए आजाद जी ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। देश उनका सदैव रिणी रहेगा। मैं गुड्डू मिश्रा अपने को भाग्य शाली मानता हूं । मुझे बदरका ग्राम के बगल में नरी बंथर ग्राम में रहने का अवसर मिला। शहीद शिरोमणि चंद्र शेखर आजाद 115 वि जयंती पर आजाद को माल्यार्पण कर अपने आप को सौभाग्य शाली समझा साथ में अवध की आवाज की टीम भी रही।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954 मो0–7905407289, 8960775784 Email: avadhkiaawaz@gmail.com
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।